सक्सेस मिरर

सफलता का कैप्सूल

Visit us at : www.pdgroup.in

वर्ष : 13 | अंक : 152 | दिसम्बर : 2022

इस अंक में...

7 सम्पादकीय

8 समसामयिकी घटना संग्रह

9 समसामयिकी संक्षिप्तकियाँ

17 आर्थिक घटना संग्रह

- भारतीय रिजर्व बैंक ने रेपो दर 50 बीपीएस बढ़ाकर 5·9% की
- भारत बना दुनिया का सबसे बड़ा चीनी उत्पादक देश
- प्रधानमंत्री मोदी ने लॉन्च की 5-जी सर्विस

21 राष्ट्रीय घटना संग्रह

- इंदौर लगातार 6वीं बार सबसे स्वच्छ शहर घोषित
- केन्द्र सरकार ने युवा 2·0 योजना लॉन्च की
- बुंदेलखण्ड के पहले टाइगर रिजर्व को मिली मंजूरी

24 अन्तर्राष्ट्रीय घटना संग्रह

- ऋषि सुनक बने ब्रिटेन के सबसे युवा प्रधानमंत्री
- असमानता कम करने में भारत 123वें स्थान पर
- राष्ट्रपति पुतिन ने 4 यूक्रेनी क्षेत्रों के विलय की घोषणा की

28 खेल खिलाड़ी

- सूरत में 36वें राष्ट्रीय खेल 2022 का समापन
- रोहित शर्मा 400 टी-20 खेलने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बने
- पंकज आडवाणी ने 25वाँ विश्व खिताब जीता

32 महत्वपूर्ण तथ्य संग्रह

35 समसामयिक वस्तुनिष्ठ प्रश्न

लेख

38 **समसामयिक लेख**—श्रीलंका की मदद के बाद क्या वहाँ बदलेगी भारत की छवि

40 **अन्तर्राष्ट्रीय कूटनीति लेख**—चीन-ताइवान विवाद का दुनिया पर प्रभाव और भारत की भूमिका

42 **अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति लेख**—कूटनीति में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की भूमिका

43 **प्रौद्योगिकी लेख**—'स्मार्ट' बनती दुनिया में गूगल की भूमिका

44 **प्रतिरक्षा लेख**—अंतरिक्ष का सैन्यीकरण

46 **आध्यात्मिक लेख**—महान् जीवन और सकारात्मक अभिप्रेरणा की दिव्य अनुभूति

विविध/सामान्य

73 **वर्षांत समीक्षा 2021**—(i) खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय

76 (ii) भारतीय रेलवे मंत्रालय

78 **प्रथम पुरस्कृत तार्किक प्रतियोगिता**

79 **तार्किक प्रतियोगिता क्रमांक-149 का परिणाम**

81 **रोजगार अवसर**

हल प्रश्न-पत्र

47 एस.एस.सी. संयुक्त हायर सेकण्डरी (10+2) लेवल परीक्षा, 2021

56 मध्य प्रदेश पुलिस आरक्षक (जनरल ड्यूटी) भर्ती परीक्षा, 2022

मॉडल हल

64 आगामी स्टेट बैंक लिपिकीय संवर्ग प्रारम्भिक परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न

संस्थापक सम्पादक : स्व. श्री महेन्द्र जैन | सम्पादक : राहुल जैन | रजिस्टर्ड ऑफिस : 2/11ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा–2

ई-मेल : सम्पादकीय : publisher@pdgroup.in कस्टमर केयर : care@pdgroup.in

- सम्पादकीय ऑफिस : 1, स्टेट बैंक कॉलोनी, खन्दारी, आगरा-मथुरा बाईपास, **आगरा**–282 005 — **फोन**–2531101, 2530966
- दिल्ली ऑफिस : 4845, अंसारी रोड, दरियागंज, **नई दिल्ली**–110 002 — **फोन**–011-23251844, 43259035
- पटना ऑफिस : पारस भवन (प्रथम तल), खजांची रोड, **पटना**–800 004 — **मो**–09334137572
- हैदराबाद ऑफिस : 16-11-23/37, मूसारामबाग, टीगन गुडा, आर.टी.ए. ऑफिस के सामने मेन रोड, (यूनियन बैंक के बगल में), **हैदराबाद**–500 036 (तेलंगाना) — **मो**–09391487283
- हल्द्वानी ऑफिस : 8-310/1, ए. के. हाउस, हीरानगर, **हल्द्वानी**, जिला–नैनीताल–263 139 (उत्तराखण्ड) — **मो**–07060421008

सर्वाधिकार सुरक्षित, प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति के इस मैगजीन का कोई भी भाग न तो पुनरुत्पादित किया जाएगा और न किसी भी रूप में, जैसे–इलेक्ट्रॉनिक, मेकेनीकल, फोटोकॉपीइंग, रिकॉर्डिंग अथवा अन्य प्रकार स्टोर किया जाएगा. हालांकि इस संस्करण में प्रकाशित सूचनाओं के सही होने का हरसम्भव प्रयास किया गया है, फिर भी न तो प्रकाशक व न अन्य कोई कर्मचारी किसी भी त्रुटि अथवा छूट के लिए उत्तरदायी होगा. अस्वीकृत रचनाओं को लेखकों को वापस भेजने के लिए उनके साथ स्वयं का पता लिखा हुआ लिफाफा मय उपयुक्त डाक टिकटों के प्राप्त होगा. रचना के देर से पहुँचने अथवा रास्ते में खो जाने की कोई जिम्मेदारी नहीं ली जाती. पत्रिका में लेखकों द्वारा प्रेषित बयानों, विचारधाराओं तथा प्रकाशित विज्ञापनों की कोई जिम्मेदारी **'सक्सेस मिरर'** की नहीं है.

सम्पादकीय

ईश्वरीय इच्छा में भागीदार बनिए

आपने नेक व्यक्ति के रूप में जन्म लिया है और नेकी का विस्तार करने में आप सर्वथा समर्थ हैं. नेकी करने वाला व्यक्ति सदैव सुख की नींद सोता है. परमात्मा चाहता है कि सब जीव प्रसन्न रहें. आप सबके साथ भलाई करके परमात्मा की इच्छा के भागीदार बनिए.

अंग्रेजी के प्रसिद्ध निबन्ध लेखक न्यूमैन ने लिखा है कि "A gentleman is he who does not inflict pain on others or does not give any cause for offence to any one." अर्थात् "भद्र पुरुष वह है, जो अन्य किसी को किसी रूप में किसी प्रकार का कष्ट नहीं देता है." सिद्धान्त रूप में हम किसी को भी कष्ट न देकर भद्र पुरुष कहलाना चाहते हैं. कहने का तात्पर्य यह है कि प्रत्येक व्यक्ति स्वभाव से एक नेक व्यक्ति होता है और वह नेक ही बना रहना चाहता है. इस तथ्य को ध्यान में रखकर हमको एक नेक व्यक्ति बनने का अथवा बने रहने का प्रयत्न करते रहना चाहिए.

प्रकृति ने प्रत्येक व्यक्ति को नेक बनाया है और दूसरे शब्दों में 'नेक' ही हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है. नेकी का वातावरण तैयार करना तथा उसका प्रसार करना हमारी सामर्थ्य में है. हम सब चाहते हैं कि सब लोग हमको अच्छा कहें, लेकिन अच्छा बनने के लिए बहुत कम लोग प्रयास करते हैं.

हम आत्मनिरीक्षण द्वारा यह जानने का प्रयत्न करें कि क्या हम सचमुच में नेक बनने का प्रयत्न करते हैं या नहीं. आवश्यक यह है कि हमारे सामने नेक व्यक्ति की एक स्थायी तस्वीर हो और हम उसके अनुरूप अपने चरित्र को ढालने का प्रयत्न करते रहें. इसी को लक्ष्य करके महात्मा गांधी ने एक स्थान पर लिखा है कि सत्याग्रही की कभी हार नहीं होती है. मन्तव्य स्पष्ट है कि जिस प्रकार सत्याग्रही अपनी साधना द्वारा निरन्तर पवित्र होता रहता है उसी प्रकार नेकी का उपासक अपने सद्प्रयत्नों द्वारा अपनी चेतना का विकास निरन्तर करता रहता है.

प्रत्येक व्यक्ति चाहता है अन्य व्यक्ति उसके साथ सद्व्यवहार करें. हमें स्मरण रखना चाहिए कि प्रकृति का नियम है कि जैसा दोगे वैसा पाओगे, जैसा करोगे वैसा भरोगे आदि. तब हमारा यह कर्त्तव्य हो जाता है कि हम अन्य व्यक्तियों के प्रति नेक व्यवहार करें. यदि व्यक्ति स्वयं अपने से प्रश्न करे कि क्या वह वास्तव में अच्छा व्यक्ति है, तो उसका अंतःकरण उसको बता देगा कि वह किस नेकी के किस स्तर पर स्थित है ? हमें मैथिलीशरण गुप्त का यह कथन सदैव याद रखना चाहिए कि "अपना अंतःकरण आप हैं आचारों का सुविचारी."

जब आप किसी पद पर प्रतिष्ठित होते हैं, तो आप चाहते हैं कि आपको अच्छा अधिकारी समझा जाए. अच्छाई मुफ्त का सौदा नहीं है. इसके लिए आपको अच्छा व्यक्ति बनना पड़ेगा यानि अपने सम्पर्क में आने वालों के प्रति अच्छाई का व्यवहार करना होगा, केवल इतना ही नहीं अपने व्यवहार द्वारा आपको उन्हें आश्वस्त करना होगा कि आप सब प्रकार से उनकी सेवा करना चाहते हैं.